www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 84 | जौनपुर शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अभी भी बूथ कैप्चरिंग की मानसिकता : विजय सिन्हा

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पहले चरण के मतदान के दौरान हलसी प्रखंड के बूथों पर राजद कार्यकर्ताओं ने एक मतदान एजेंट को धमकाया। उन्होंने कहा कि मतदान लगभग शांतिपूर्ण रहा, लेकिन राजद के कुछ सदस्यों में अभी भी ष्बूथ कैप्चरिंगष की मानसिकता है। लखीसराय में एएनआई से बात करते हुए, विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हर जगह मतदान सुचारू रूप से चल रहा है। हमें खबरें मिलीं हैं कि राजद के लोगों ने हलसी प्रखंड के बूथों पर मतदान एजेंट को धमकाया। राजद के लोगों में अभी भी बूथ कैप्चरिंग की मानसिकता है। लेकिन असली मालिक जनता है। लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि असली वोट डाले जाएँ। चुनाव आयोग भी यही चाहता है। सिन्हा ने आगे कहा कि उनकी पार्टी ने चुनाव आयोग से शिकायत की है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि लेकिन राजद–कांग्रेस के लोग अराजकता के प्रतीक हैं और बूथ कैप्चरिंग से बाज नहीं आते। ऐसी मानसिकता लोकतंत्र के लिए अभिशाप है। हमने (चुनाव आयोग से) शिकायत की है, ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें वोट देने से रोका जाना चाहिए।

सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियों से संबंधित सरकार की याचिका खारिज की

कर्नाटक , (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें सरकारी परिसरों में निजी संगठनों की गतिविधियों पर प्रतिबंध से संबंधित शासनादेश पर रोक लगाने के एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति एस. जी. पंडित और न्यायमूर्ति गीता के. बी. की खंडपीठ ने सरकार को सलाह दी कि वह अपील दायर करने के बजाय एकल पीठ के समक्ष जाकर अंतरिम रोक हटाने का अनुरोध करे। एकल पीठ ने 28 अक्टूबर को शासनादेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस शासनादेश के अनुसार, यदि सरकारी आदेश का उल्लंघन करते हुए कोई कार्यक्रम या जुलूस आयोजित किया गया, तो उसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा के तहत "अवैध जमावड़ा" माना जाएगा। हालांकि, शासनादेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि आदेश के प्रावधान संगठन की गतिविधियों, विशेष रूप से उसके पथसंचलन पर प्रभाव डाल सकते हैं। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने सवाल किया कि क्या 10 या इससे अधिक लोगों की किसी भी सभा को स्वतः "अवैध" करार दिया जा सकता है। पीठ ने पूछा, "यदि लोग साथ चलना चाहते हैं, ।

राजद-कांग्रेस ने बिहार के युवाओं की पहचान छीनी : योगी आदित्यनाथ

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महागठबंधन पर राज्य के लोगों को धोखा देने और युवाओं को पहचान का संकट देने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने परिहार विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से पूछा कि आज मैं आपके बीच यह पूछने आया हूँ कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने बिहार के युवाओं के लिए पहचान का संकट पैदा किया? वो कौन लोग हैं जिन्होंने बिहार की पहचान को धूमिल किया? दुनिया भर के विकास में बिहार के युवाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार को ऐसे युवा चाहिए जिनकी अपनी बुद्धि और अपनी प्रतिभा हो। बिहार के युवा दुनिया में जहाँ भी गए, उन्होंने अपनी बुद्धि, मेधा, प्रतिभा और पहचान से समाज को लाभान्वित किया। लेकिन बिहार के लिए पहचान का संकट पैदा करने वाले राजद और कांग्रेस फिर से छलावा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बिहार में एनडीए की जीत पर विश्वास जताते हुए कहा कि अब जनता राजद या कांग्रेस को कभी मौका नहीं देगी। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से एक परिहार निर्वाचन क्षेत्र में 11 नवंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जन सुराज पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। भाजपा ने गायत्री देवी को, राजद ने स्मिता गुप्ता को, जबकि जन सुराज पार्टी ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा 2010 से, जब से यह निर्वाचन क्षेत्र बना है, तब से इस सीट पर कब्जा बनाए हुए है। गायत्री देवी परिहार से दो बार की विधायक हैं। इस बीच, भारत के चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के पहले चार घंटों में 27.65 प्रतिशत मतदान हुआ।

नीतीश ने विकास किया, राजद ने भय फैलाया : राजनाथ सिंह

बिहार, (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेदाग रिकॉर्ड की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 20 सालों में कोई भी उन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आपने बिहार में राजद सरकार को काम करते देखा है। पिछले 20 सालों से आप नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार देख रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि हालाँकि नीतीश कुमार के कार्यकाल में ज़्यादा काम हुआ, लेकिन थोड़ा और काम होता तो बेहतर होता। लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि अगर किसी ने बिहार को एक प्रगतिशील राज्य और एक विकसित भारत की ओर अग्रसर राज्य बनाने के लिए काम किया है, तो वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही हुआ है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि पिछले 20 सालों में चाहे कोई भी उनका विरोधी रहा हो, कोई भी नीतीश कुमार पर उंगली उठाकर यह नहीं कह सकता कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार किया है। सिंह ने राजद पर अपने शासनकाल में भय और अपराध का माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उस समय गुंडे और अपराधी खुलेआम घूमते थे। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए सरकार में लोग गर्व से कह सकते हैं कि बिहार एक विकसित और सुरक्षित राज्य बन गया है। सिंह ने कहा, ष्राजद के शासनकाल में गुंडों और अपराधियों का बोलबाला था... हर कोई असुरक्षित महसूस करता था। अगर किसी ने बिहार की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है, तो वह राजद है।

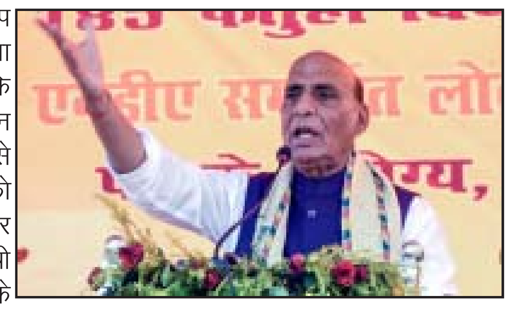

नीतीश कुमार,समेत कई दिग्गजों ने डाला वोट

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को राज्य के कई दिग्गज नेताओं ने मतदान किया। इनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता एवं 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और राजीव रंजन सिंह 'ललन' शामिल हैं। राज्य निर्वाचन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह नौ बजे तक पहले दो घंटे में कुल 13.13 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सहरसा में सर्वाधिक 15.27 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि बेगूसराय में 14.6 प्रतिशत और मुजफ्फरपुर में 14.38 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने गृह नगर बख्तियारपुर में मतदान करने से पहले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "मतदान केवल

अधिकार ही नहीं, बल्कि नागरिकों का कर्तव्य भी है।" उन्होंने बख्तियारपुर में अपना वोट डाला। पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान जारी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तारापुर में मतदान किया। उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो विकास कार्य हुए हैं, वे जारी रहने चाहिए। आज जो परिवर्तन हम देख रहे हैं, वह लंबे प्रयासों का परिणाम है। विकास के लिए वोट करें।" केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लखीसराय में मतदान करने के बाद कहा कि बुर्का पहनी महिलाओं की पहचान की जांच 'वोट चोरी' रोकने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, "यह धार्मिक पक्षपात नहीं है... हम पाकिस्तान में नहीं रहते। न बिहार में तेजस्वी यादव की सरकार बनेगी और न ही यहां शरीया कानून लागू होगा।" राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पटना के वेटरनरी कॉलेज स्थित बूथ पर मतदान किया। तेजस्वी ने युवाओं से अपील की, "बदलाव लाने के लिए नयी सरकार का गठन करें।

पीएम मोदी करेंगे स्मरणोत्सव का उद्घाटन, एक साल तक चलेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत ष्वंदे मातरमष के एक साल तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन करेंगे और एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी करेंगे। यह कार्यक्रम श्वंदे मातरमश के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मोदी शुक्रवार सुबह लगभग 9रू30 बजे नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत ष्वंदे मातरमष के एक साल तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम 7 नवंबर, 2025 से 7 नवंबर, 2026 तक चलने वाला है।

पीएम मोदी इस मौके पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी करेंगे। बता दें कि इस वर्ष ष्वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। वंदे मातरम बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा अक्षय नवमी के शुभ अवसर पर 7 नवंबर 1875 को लिखा गया था। वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में चटर्जी के उपन्यास ष्आनंदमठष के एक भाग के रूप में प्रकाशित हुआ था।अगले वर्ष 7 नवंबर तक चलने वाले एक वर्ष के राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का औपचारिक शुभारंभ होगा। यह स्मरणोत्सव इस कालातीत रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाएगा, जिसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया और राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का अलख जगाया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने की पहली तारीख को राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोहों को मंजूरी दी थी। उद्घाटन समारोह की मुख्य विशेषताओं में 'वंदे मातरम' के 150 वर्षों के इतिहास पर एक क्यूरेटेड प्रदर्शनी का आयोजन शामिल होगा। एक लघु वृत्तचित्र फिल्म का प्रदर्शन और एक स्मारक डाक टिकट एवं स्मारक सिक्का भी जारी किया जाएगा। भारत के प्रथम उप–प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय एकीकरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें 560 से अधिक रियासतों को एकीकृत करने का कार्य सौंपा गया था ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली भारतीय टीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महिला विश्वकप 2025 की खिताब विजेता भारतीय टीम ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने उन्हें ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। इससे पहले टीम ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। रविवार (2 नवंबर) को हरमनप्रीत की अगुआई वाली टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में 52 रनों से हराकर जीत हासिल की थी। इस खास मुलाकात के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भारतीय टीम की जर्सी भेंट की। वहीं, राष्ट्रपति ने टीम को बधाई दी और कहा कि उन्होंने इतिहास रच दिया है और युवा पीढ़ी के लिए आदर्श बन गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह टीम भारत का प्रतिबिंब है। वे विभिन्न क्षेत्रों, विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों और विभिन्न परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन वे एक टीम हैं इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर अब भारत की चौथी कप्तान बन गई हैं जिन्होंने विश्व कप जीत का ताज पहना है। उनसे पहले कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा भारत को विश्व चौंपियन बना चुके हैं। यानी अब महिलाओं की कप्तान हरमनप्रीत ने भी इस गौरवशाली सूची में अपनी जगह बना ली है। यह भारत की महिलाओं का पहला विश्वकप खिताब है, जिसने 2005 और 2017 के फाइनल हार की टीस को भुलाने में मदद की।इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को पूरी टीम के हस्ताक्षर वाली वर्ल्ड कप जर्सी और ट्रॉफी भेंट की. भारत ने रविवार को मुंबई में खेले गए ICC महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर इतिहास रच दिया. यह भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है.

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव जनसभाओं को संबोधित करेंगे

बिहार, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बिहार विधानसभा चुनाव में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के प्रत्याशियों के पक्ष में बृहस्पतिवार और शनिवार को कई चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। सपा के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने यह जानकारी दी। चौधरी के मुताबिक, यादव बृहस्पतिवार को पूर्वी चम्पारण जिले के मोतीहारी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी देव गुप्ता के पक्ष में दोपहर साढ़े 12 बजे और सीतामढ़ी जिले के रून्निसैदपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी चंदन कुमार के पक्ष में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। सपा प्रवक्ता ने बताया कि यादव आठ नवंबर यानी शनिवार को तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि यादव पूर्णिया जिले के धमदहा विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के पक्ष में, मधुबनी जिले के राजनगर विधानसभा क्षेत्र में प्रोफेसर विष्णु कुमार के पक्ष में और बिस्फी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी आसिफ अहमद के पक्ष में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह व 11 नवंबर को होंगे तथा नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

अगर निष्पक्ष चुनाव हुए तो एनडीए सत्ता से बाहर होगा – प्रियंका गांधी

बिहार, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोटों में हेराफेरी के आरोपों को दोहराते हुए, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को दावा किया कि अगर बिहार में निष्पक्ष चुनाव होंगे, तो मौजूदा एनडीए सरकार सत्ता से बाहर हो जाएगी और राज्य में एक नई सरकार बनेगी। पूर्वी चंपारण के गोविंदगंज इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बिहार में 65 लाख वोट काट दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी वोट जोड़े गए।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, कहते हैं कि विपक्षी नेता पश्चिम बंगाल, केरल और बिहार में लोगों का अपमान कर रहे हैं। हम आपके अधिकारों, आपके सशक्तिकरण की बात कर रहे हैं... कल राहुल गांधी ने दिखाया कि हरियाणा चुनाव में वोटों की धांधली हुई थी। 25 लाख फर्जी वोट... आज उनका अहंकार ऐसा है कि वे आपके वोटों का अपमान करते हैं। बिहार में 65 लाख वोट हटाए गए हैं। मैं गारंटी दे सकती हूं कि अगर यहां निष्पक्ष चुनाव हुए तो आप लोग इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे और नई सरकार बनाएंगे। अपने बचपन के एक निजी किस्से का जिक्र करते हुए, प्रियंका गांधी ने याद किया कि कैसे अमेठी की एक महिला ने उनके पिता, दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनके गाँव में पानी का नल न लगवाने पर डाँट लगाई थी। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय के भारतीय लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाती है, जहाँ लोग प्रधानमंत्री से भी सवाल पूछ सकते थे।

उनका हाइड्रोजन बम सिर्फ एक पटाखा निकला - सीएम फडणवीस

नागपुर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि वह असल में एक छोटा पटाखा निकला। सीएम फडणवीस ने गुरुवार को नागपुर में पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी देश के लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा कम करने की कोशिश कर रहे हैं और उनकी सोच उन विदेशी ताकतों जैसी लगती है जो भारत को अस्थिर करना चाहती हैं। राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही वोट चोरी पर एक हाइड्रोजन बम जैसी खुलासे की रिपोर्ट पेश करेगी। बुधवार को दिल्ली में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एच–फाइल्स नाम से एक प्रेजेंटेशन दिखाया। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024

में वोट चोरी हुई है। उनके अनुसार, 25 लाख फर्जी वोटर लिस्ट में जोड़े गए और चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर नतीजा तय किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा, राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम बहुत कमजोर था। दरअसल, वह तो एक छोटा पटाखा निकला। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी का एजेंडा और कुछ अंतरराष्ट्रीय ताकतों का एजेंडा एक जैसा दिख रहा है। ये ताकतें भारत में लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती हैं और राहुल गांधी भी उन्हीं की तरह देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा कम करने की कोशिश कर रहे हैं। इस सीएम फडणवीस ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे अब किसानों से मिलने के बहाने मराठवाड़ा का दौरा कर रहे हैं क्योंकि स्थानीय निकाय चुनाव करीब हैं। फडणवीस बोले, मुझे खुशी है कि उद्धव ठाकरे अब जनता के बीच जा रहे हैं। जब वे मुख्यमंत्री थे और किसान मुसीबत में थे, तब वे अपने घर से बाहर नहीं निकले। अब चुनाव आ रहे हैं, इसलिए जनता के पास जा रहे हैं। लेकिन लोग समझ चुके हैं कि यह सब सिर्फ वोट के लिए है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अगस्त–सितंबर की बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए घोषित राहत पैकेज की रकम सीधे किसानों के खातों में भेजी जा रही है। वहीं राहुल गांधी के आरोपों पर मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, मैं राहुल गांधी को 1000 रुपये की बख्शीश भेजना चाहता हूं।

संपादकीय

अल्पकालिक युद्धविराम

ट्रंप– शी वार्ता में मलेशिया में बनी सहमतियों पर दस्तखत हो जाते हैं। ऐसा हुआ, तो अमेरिका और चीन के अलावा बाकी दुनिया को भी राहत मिलेगी। मगर जो हालात हैं, उनके बीच यह करार भी एक अल्पकालिक युद्धविराम ही होगा। दुनिया नजरें गुरुवार को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू शहर पर होंगी, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की शी के साथ यह पहली मुलाकात होगी, जिसके लिए वे खासे उतावले नजर आए हैं। यह उतावलापन कुछ तो उनकी ट्रॉन्गमैन पॉलिटिक्स के कारण है, जिसके तहत उन्हें ताकतवर नेताओं से मिलने में खास संतोष मिलता है। इस बात की ताजा मिसाल उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग–उन से मिलने की उनकी दिलचस्पी है। बहरहाल, शी के साथ मुलाकात सिर्फ मिलना भर नहीं है, बल्कि उनसे होने वाली बातचीत पर काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है। गुजरे एक महीने में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध और तेज हुआ है, जिसके तहत चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित कर अमेरिका में रक्षा सहित अन्य उद्योगों के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी कर दी है। इसके पहले वह अमेरिका से सोयाबीन एवं अन्य कृषि उत्पादों का आयात रोक चुका है, जिससे अमेरिकी किसान मुसीबत में बताए जाते हैं। खबरों के मुताबिक मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका और चीन के बीच हुई व्यापार वार्ता में इन तमाम मुद्दों पर कुछ सहमतियां बनी हैं। इनके तहत चीन रेयर अर्थ के निर्यात और अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर कुछ राहत दे सकता है, मगर इसके बदले उसने अमेरिका से अमेरिकी बंदरगाहों पर चीन निर्मित एवं संचालित जहाजों पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क की वापसी पर जोर दिया है। साथ ही उसने चीनी कंपनियों पर पिछले महीने लगाए गए प्रतिबंधों को वापस लेने की मांग की है। ट्रंप– शी वार्ता में इन सहमतियों पर दस्तखत हो जाते हैं। ऐसा हुआ, तो अमेरिका और चीन के अलावा अन्य देशों को भी राहत मिलेगी। मगर जो ठोस हालात हैं, उनके मद्देनजर यह करार भी एक युद्धविराम ही होगा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार पीपुल्स डेली ने दो टूक कहा है कि दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध में बार–बार विच्छेद और उनका अल्पकालिक समाधान आज की हकीकत है। अमेरिकी विश्लेषक भी इस बात से लगभग सहमत ही हैं।

अमेरिका को दुनिया को परमाणु संकट की ओर धकेलने की इजाजत नहीं दी जा सकती

डॉ. अरुण

जो लंबे समय से परमाणु हथियारों के विकास को लेकर अमेरिकी आरोपों का निशाना रहा है, ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसले को श्प्रतिगामीश और श्गैर–जिम्मेदारानाश बताया और अमेरिकी नेता को श्परमाणु–सशस्त्र धौंसियाश कहा। ईरान के राष्ट्रपति का कहना है कि तेहरान अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण करेगा। 29 अक्टूबर को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि श्अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग (पेंटागन) को समान आधार पर हमारे परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया तुरंत शुरू होगी।श यह बयान न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बेहद खतरनाक भी है। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किया गया आखिरी परमाणु विस्फोट 1992 में हुआ था। उत्तर कोरिया के अलावा, 1990 के दशकांत से किसी भी देश ने परमाणु हथियारों का परीक्षण नहीं किया है।ऐसे समय में जब दुनिया के बड़े हिस्से पहले से ही प्रत्यक्ष या छद्म युद्धों में उलझे हुए हैंकृऔर जब कई क्षेत्र विनाशकारी गृहयुद्धों का सामना कर रहे हैं, जिससे सामूहिक हत्याएं, भुखमरी और मानवीय पीड़ा हो रही हैकृऐसा आदेश दुनिया को अंधकार के एक नए युग में धकेलने का खतरा पैदा करता है। इससे पहले से ही खतरनाक वैश्विक हथियारों की होड़ और तेज हो जाएगी। जिन देशों के पास पहले से ही परमाणु हथियार हैं, वे अपने शस्त्रागार का और भी तेजी से विस्तार और आधुनिकीकरण करेंगे। इसके अलावा, परमाणु हथियार विकसित करने की तकनीकी क्षमता वाले देश भी इस दौड़ में शामिल होने के लिए मजबूर हो सकते हैं।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका इस निर्देश को वापस नहीं लेता है, तो रूस भी इसी तरह जवाब देगा। सभी परमाणु शक्तियां बेहतर वितरण प्रणालियों का विकास और परीक्षण कर रही हैं, जिनमें सबसे हाल ही में रूस ने अपने पानी के नीचे चलने वाले श्पोसिडॉनश परमाणु ड्रोन और परमाणु ऊर्जा से चलने वाले श्बुरेवेस्टनिकश परमाणु–सशस्त्र क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। चीनी विदेश मंत्री ने अमेरिका से परमाणु परीक्षण पर लगी रोक न तोड़ने की अपील की है।ईरान, जो लंबे समय से परमाणु हथियारों के विकास को लेकर अमेरिकी आरोपों का निशाना रहा है, ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति ट्रम्प के +फैसले को प्रतिगामीश और गैर–जिम्मेदारानाश बताया और अमेरिकी नेता को श्परमाणु–सशस्त्र धौंसियाश कहा। ईरान के राष्ट्रपति का कहना है कि तेहरान अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण करेगा। जून में, अमेरिका ने ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिनके बारे में वाशिंगटन का कहना है कि वे परमाणु हथियार विकसित करने के एक कार्यक्रम का हिस्सा थे। इराक पर अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले को इस झूठे दावे के आधार पर उचित ठहराया गया था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं। हालांकि सद्दाम हुसैन के शासन को तुरंत उखाड़ फेंका गया, लेकिन इस आक्रमण ने क्षेत्र को लंबे समय तक अस्थिरता, हिंसा और अराजकता में डुबो दिया। 22 जून, 2025 को भी ऐसा ही एक पैटर्न देखा गया, जब अमेरिकी वायु सेना और नौसेना ने ईरान–इजराइल संघर्ष के हिस्से के रूप में श्ऑपरेशन मिडनाइट हैमरश के तहत ईरान में तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला किया। ईरान ने आरोपों का खंडन किया और हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। आधुनिक परमाणु हथियार हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए हथियारों से कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि प्रमुख शक्तियों के बीच किसी भी बड़े पैमाने पर परमाणु आदान–प्रदान आधुनिक सभ्यता की नींव को नष्ट कर देगा–

जो हजारों वर्षों की मानव प्रगति पर आधारित है। भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमित परमाणु आदान–प्रदान भी दो अरब से अधिक लोगों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। प्रमाण स्पष्ट हैं रू परमाणु हथियार मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा हैं और इन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। परमाणु हथियारों से उत्पन्न गंभीर खतरों को समझते हुए, परमाणु–सशस्त्र राष्ट्रों पर निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ने का वैश्विक दबाव लंबे समय से रहा है। हालांकि कुछ संधियों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, लेकिन प्रमुख शक्तियों ने उन्हें आंशिक रूप से और अक्सर अनिच्छा से ही लागू किया है। यहां कुछ प्रमुख शस्त्र न्यूनीकरण और नियंत्रण संधियों का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है। सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधियां (स्टार्ट– 1, 2, और न्यू स्टार्ट), जिनका उद्देश्य अमेरिका और रूस के बीच द्विपक्षीय समझौतों के तहत सामरिक परमाणु हथियारों को कम करना थाय मध्यम दूरी की परमाणु शक्ति (आईएनएफ) संधि (1987)य 500 से 5,500 किमी की मारक क्षमता वाली अमेरिकी और सोवियत भूमि–आधारित बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों पर प्रतिबंधय एंटी–बैलिस्टिक मिसाइल (एबीएम) संधि (1972) जिसके तहत आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिजाइन की गई प्रणालियों की तैनाती को सीमित किया गयाय सामरिक शस्त्र सीमा वार्ता (एसएएलटी 1 और 2), जिसके तहत अंतरमहाद्वीपीय और पनडुब्बी–प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या सीमित कर दी गईय परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि (एनपीटी), जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना हैय व्यापक परमाणु–परीक्षण–प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी), जो किसी भी उद्देश्य के लिए सभी परमाणु विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाती हैय और आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि (पीटीबीटी), जो वायुमंडल, बाह्य अंतरिक्ष और पानी के भीतर परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाती है। परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (टीपीएनडब्ल्यू) परमाणु हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, यह नवीनतम बहुपक्षीय संधि है जिसे जुलाई 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किया गया था। इस संधि पर 95 देशों ने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं और 74 ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि टीपीएनडब्ल्यू को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारी समर्थन के साथ पारित किया गया था, लेकिन परमाणु–सशस्त्र देशों ने न तो विचार–विमर्श में भाग लिया और न ही अपने शस्त्रागार को समाप्त करने का कोई इरादा दिखाया। कुछ संतोषजनक खबर यह है कि कई क्षेत्रों ने स्वयं को परमाणु–हथियार–मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। उनमें शामिल हैं लैटिन अमेरिका (ट्लाटेलोल्को संधि), दक्षिण प्रशांत (रारोटोंगा संधि), अफ्रीका (पेलिंडाबा संधि), दक्षिण पूर्व एशिया (बैंकॉक संधि), तथा मध्य एशिया (सेमिपालाटिंस्क संधि)। मंगोलिया एकमात्र ऐसा देश है जिसने खुद को एकल–राज्य परमाणु–हथियार–मुक्त क्षेत्र घोषित किया है,।

बिहार विधानसभा चुनावों में जेपी की धरती पर उनके चेलों के बीच हो रहा महाभारत

अजय दीक्षित

बिहार में विधानसभा चुनावों में जयप्रकाश नारायण के चेलों के बीच उनकी मातृभूमि पर महाभारत हो रहा है। इसमें धुर्त क्रीड़ा भी हो रही है। सत्ता रूपी द्रौपदी असमंजस में है। कौरवों और पांडवों की पहचान जनता करेंगी। लेकिन इतना तय है कि एक कुल का नाश होना है।

बिहार विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है।अब चुनाव पूरे रंग पर है ।आगामी 9 नवंबर तक पूरे बिहार पूरे देश के राजनीतिक लोगों, विश्लेषकों, साफोजोलिस्टो, मीडिया के तमाम संपादकों का डेरा जमा है बताया जाता है कि भारी संख्या में विदेशी मीडिया भी पटना में डेरा जमाए हैं। पटना के पांच सितारा होटल चाणक्य,मगध, मौर्य सीरियन में सभी कमरे फुल है और वीआइपी टैक्सी सुबह ही गांव, देहात, कस्बों में दौडने लगती हैं। आखिर विधानसभा चुनाव इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं और इसका क्या कारण है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रोज बिहार में रैली कर रहे हैं और राजद कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे, प्रियंका गांधी और सबसे अधिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाक का बाल बन गया है यह चुनाव । प्रभात खबर के पॉलिटिकल एडिटर राजदेव पाण्डेय कहते हैं कि बिहार विधानसभा चुनावों में ऊंट किस करवट बैठ जाएगा कुछ नहीं कह सकते। राजग और इंडिया ब्लॉक में लड़ाई कांटे की है। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तेजस्वी यादव के बीच लग रहा है।यहां तक कि कई नेताओं को तो भीड़ सुनने ही नहीं आ रही है। इंडिया ब्लॉक खेमे में तेजस्वी यादव की मांग है । कांग्रेस, सीपीएम, सीपीई,के उम्मीदवार भी राजद के पटना ऑफिस में लगातार मेल भेज रहे हैं और ह्रष्ध में यही हालत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ की बनी हुई है। जेडीयू उम्मीदवार भी योगी आदित्यनाथ की सभाएं करवा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समस्तीपुर रेली से निकले उदित चक्रवार कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात पर भरोसा है।जबकि दुलारी निषाद कहती है कि नीतीश कुमार ने महिलाओं को दस हजार रुपए दे कर मामले को पटत दिया है। मुजफरपुर में सभा में शामिल उस्मानी बेगम लालू प्रसाद यादव के जंगलराज से नाराज है क्योंकि उनके साथ उदंड लोग जुड़े हैं। लेकिन तेजस्वी यादव का अपना वोट बैंक है । अधिकतर मुस्लिम राजद खेमे के उम्मीदवार को पसंद कर रहे हैं। पटना की शाम में चर्चा है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद पर आसीन होंगे क्योंकि केंद्रीय सरकार उनके समर्थन से टिकी है। चर्चा यह भी है कि नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों, स्वर्ण वोट का समर्थन है । लेकिन बिहार चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी रहने वाली है। दरअसल इस चुनाव को भविष्य का क्वाटर फाइनल मुकाबला कह सकते हैं फाइनल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में होगा क्योंकि इन दोनों राज्यों में अभी 120 लोकसभा सीट है परिसीमन के बाद 200 होने की संभावना है। सीपीई,सीपीएम,सीपीएम माले भी 20 विधानसभा सीट पर ताकत आजमाएगी। पश्चिमी बंगाल से लगे क्षेत्रों में इनका भी असर है। तेजस्वी यादव अपना बीस साल का सुखा खत्म करना चाहते हैं। जयप्रकाश नारायण की धरती पर महाभारत हो रहा है। उनके चेले नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,लालू प्रसाद यादव, महाभारत के पात्र हैं। पटना का गांधी मैदान इन संघर्षों का साक्षी रहा है। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ 1974 में विगुल यही से फूंका गया था। जिसकी वजह से आपातकाल लगा और 1977 में कांग्रेस को हरा कर जनता पार्टी ने केंद्रीय सत्ता पर कब्जा किया था।तब से गंगा में बहुत पानी बह गया है। कांग्रेस अब तीसरे चौथी पार्टी है और राजद की भागीदार है। कांग्रेस अगर अकेले चुनाव में जाय तो पांच फीसदी वोट भी नहीं मिलेंगे। लेकिन कांग्रेस को राजद ने 62 सीट दे कर उसका मान बढ़ा दिया है। इससे मुस्लिम मतों का बिखराव कम होता नजर आ रहा है। वैचारिक धरातल पर बिहार में 2005 के बाद ही काम हो सका था क्योंकि औद्योगिकरण बिहार अन्य राज्यों की तुलना में बिछड़ गया था। यहां तक कि केंद्र सरकार द्वारा पोषित योजनाओं के परिणाम भी नहीं निकले थे। जैसे प्रधानमंत्री सडक परियोजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग योजना,आदि क्योंकि बिहार में एक ऐसा माहौल है कि मुंबई, दिल्ली के बड़े उद्योगपति बिहार आना नहीं चाहते हैं। बिहार में बरौनी तेल शोधक कारखाना भी बंद करना पड़ा था अब शुरू हुआ है।

मेडिकल पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम

उमेश

हिंदी समेत भारतीय भाषाओं में डॉक्टर बोल–बतिया सकते हैं, मरीजों की तकलीफ की जानकारी भी ले सकते हैं, लेकिन उनके सामने जब इलाज, टेस्ट और दवा सुझाने की बारी आती है तो अंदर की अंग्रेजी स्वाभाविक रूप से उभर आती है। अंग्रेजी भी वैसी नहीं, अक्षर घसेटू। कुछ डॉक्टरों की पर्चियां तो ऐसी होती हैं, जिन्हें अनुभवी फार्मासिस्ट और पैथोलॉजिस्ट भी पढ़ पाने में नाकाम रहता है। लेकिन यह स्थिति बदलने जा रही है। अब डॉक्टरों को हिंदी में भी पर्चा लिखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। देश के सबसे बड़े, बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स' ने इस दिशा में कदम उठाया है। उसने डॉक्टरों से कहा है कि हिंदी में भी पर्चा लिखें। इतना ही नहीं, वह जरूरत के हिसाब से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की ओर भी आगे बढ़ रहा है। एम्स की यह पहल स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आदेश का नतीजा है। जिसमें मंत्रालय ने प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे धीरे–धीरे हिंदी में कामकाज शुरू करें। इस आदेश के बाद एम्स के हिंदी अनुभाग ने अपने सभी विभागों के कामकाज में हिंदी के उपयोग की शुरुआत करने को लेकर चिट्ठी लिखी है। इसमें सिर्फ डॉक्टरों के हिंदी में पर्चे लिखने की ही बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी फाइलों की नोटिंग, आपसी पत्राचार और दस्तावेजों में भी हिंदी का उपयोग बढ़ाने की बात कही गई है। आज औपचारिक जीवन में अंग्रेजी के जारी वर्चस्व की पृष्ठभूमि अंग्रेजी माध्यम के जरिए औपचारिक पढ़ाई की 1860 में हुई शुरूआत है। जिसका मकसद सिर्फ भारत में अंग्रेजी जानने वाले बाबुओं को तैयार करना ही नहीं, बल्कि देसी 'मानस' को अंग्रेजी मानस में परिवर्तित करना भी था। अंग्रेजों की यह कोशिश सफल रही। जिसका असर आज भी न्याय, प्रशासन, इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे क्षेत्रों में दिखता है। और तो और, भाषायी माध्यम वाली बौद्धिकता को भी अपने यहां वैसी प्रतिष्ठा हासिल नहीं है, जैसी अंग्रेजी माध्यम वाले बौद्धिकों की है। नीति निर्माण में अब भी उसी नौकरशाही का दखल ज्यादा है, जो अंग्रेजी माध्यम में पढ़ी–लिखी है। हालांकि प्रशासन आदि में धीरे–धीरे ही सही, हिंदी समेत भारतीय भाषाओं का दखल बढ़ रहा है। लेकिन उच्च न्यायपालिका, मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अब भी इस दिशा में आगे बढ़ने को लेकर हिचक दिखती है। अंग्रेजी माध्यम के वर्चस्व को देखते हुए अरसे से मांग रही है कि जिसे न्याय दिया जा रहा है, उसे पता होना चाहिए कि न्याय हो भी रहा है या नहीं, न्यायिक कार्यवाही सही तरीके से चल रही है या नहीं। इसी तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी तर्क दिया जाता रहा है कि मरीज को यह जानने का अधिकार है कि उसका किस रोग का इलाज हो रहा है, उसका कौन–सा टेस्ट कराया जा रहा है और उसे कौन–सी दवा दी जा रही है? भले ही उच्च न्यायपालिका में न्याय और न्यायिक कार्यवाही में अब भी भारतीय भाषाओं एवं हिंदी की भूमिका को सहज स्वीकार्यता नहीं मिल पाई हो। लेकिन अब मेडिकल की दुनिया में भारतीय भाषाओं और हिंदी की भूमिका बढ़ने की पीठिका तैयार हो गई है। न्याय में भारतीय भाषाओं की दखल बढ़ाने को लेकर टालमटोल करती रही न्यायपालिका मानने लगी है कि मरीजों को उसके इलाज आदि को जानने का हक संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिला हुआ है। न्यायपालिका ने मरीजों के इस हक को बीते तीस अगस्त को स्वीकार किया। इसी दिन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डॉक्टरों द्वारा लिखे पर्चे को साफ और स्पष्ट होने का निर्देश दिया था। अदालत ने तब कहा था कि सभी मेडिकल पर्चे और जांच रिपोर्ट साफ अक्षरों में लिखी जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा था कि सरकारी और निजी अस्पतालों–दोनों को यह व्यवस्था लागू करना चाहिए। अदालत ने यहां तक कहा था कि डॉक्टरी पर्चे कैपिटल अक्षरों में या टाइप या डिजिटल रूप में होने चाहिए। अदालत ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग यानी एनएमसी से भी कहा था कि वह मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ लिखावट अपनाने के लिए प्रेरित करे। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब तक कंप्यूटर से पर्ची लिखने की व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल अक्षरों में ही पर्चे लिखें। इस अदालती आदेश के संदर्भ में कह सकते हैं कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नये फैसले को एम्स द्वारा अमल करना मरीजों के हक की दिशा में बड़ा कदम है। इससे भारतीय भाषाओं को प्रशासन, न्याय और इलाज का माध्यम बनाने की कोशिशें परवान चढ़ेंगी। इससे भारतीय भाषाओं को मजबूती भी मिलेगी। इसी आदेश के आलोक में, एम्स अपने यहां मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी माध्यम में कराने की तैयारी में है। ध्यातव्य है कि कई राज्यों में बारहवीं तक परीक्षा और पढ़ाई का माध्यम हिंदी या भारतीय भाषाएं ही हैं। इन माध्यमों के मेधावी छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए चुने जाते रहे हैं, मेडिकल में पहुंचते ही अचानक से उनका पल्ला अंग्रेजी माध्यम से पड़ जाता है। उनके सामने अचानक आया अंग्रेजी माध्यम उन पर दबाव बढ़ा देता है। इस दबाव में कई प्रतिभाएं असमय ही मौत का रास्ता अख्तियार करती रही हैं। इसी संदर्भ में अरसे से मांग होती रही है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई में हिंदी माध्यम भी होना चाहिए। चूंकि मौजूदा केंद्र सरकार और उसकी वैचारिकी भारतीय भाषाओं की पक्षधर है। वैसे समाजवादी आंदोलन और उसके प्रेरणा पुरूष डॉ राममनोहर लोहिया भी हिंदी के पक्षधर रहे हैं। अतीत में केंद्र और कई राज्यों में समाजवादी सरकारें रहीं। लेकिन उन्होंने कभी इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किया। इस संदर्भ को देखते हुए भारतीय भाषाओं के समर्थक मौजूदा केंद्र और बीजेपी शासित राज्य सरकारों के आभारी हो सकते हैं कि उन्होंने भारतीय भाषाओं की पक्षधरता दिखाई है। मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम से कराने की चर्चा जब से शुरू हुई है, मेडिकल तबका ही उसका सबसे बड़ा विरोधी रहा है। कई तो ऐसे भी रहे, जिन्होंने इस विचार को हंसी में ही उड़ा दिया। इस सोच को जमीनी हकीकत बनाना असंभव भी बताया जाता रहा है। ऐसे माहौल में मध्य प्रदेश सरकार अग्रणी बनी, और उसने 16 अक्टूबर 2022 को मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरू करा दी। अब एमबीबीएस की पढ़ाई पहले साल के तीन विषयों एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई हिंदी माध्यम से जारी है। वैसे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी छात्रों को उनकी मातृभाषा में चिकित्सा शिक्षा दिलाने की वकालत करती है। स्वाभाविक है कि हिंदी माध्यम से पढ़ाई के लिए हिंदी में मेडिकल की किताबों की जरूरत बढ़ेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाई, जिसने पाठ्यक्रम से जुड़ी हिंदी में किताबें तैयार की है और इस दिशा में काम जारी है। अब छत्तीसगढ़ और बिहार जैसे कुछ राज्यों ने भी हिंदी में मेडिकल शिक्षा शुरू करने की घोषणा की है। इसी तरह हिंदी माध्यम में इंजीनियरिंग की पढ़ाई सितंबर 2021 में आईआईटी बीएचयू में शुरू हुई। इसके तहत बीटेक के पहले साल के छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाया जा रहा है। नवंबर 2022 में उत्तर प्रदेश के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय भी बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई हिंदी में शुरू कर चुका है। निश्चित तौर पर यह कदम ग्रामीण पृष्ठभूमि और भारतीय भाषाओं के माध्यम के छात्रों के लिए फायदेमंद होगा। वे नाहक तनाव से बच सकेंगे। कुछ इसी तरह हिंदी में इलाज और टेस्ट के लिए लिखे जाने वाले पर्चे भी आम मरीजों के लिए लाभप्रद होंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस आदेश को लागू होने में शुरूआती दिक्कतें तय हैं। इसका कारण करीब एक साठ सालों की अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से बना मानस है। फिर भी यह आदेश इस जड़ता तोड़ेगा। निश्चित रूप से इससे भारतीय भाषाओं का मान बढ़ेगा, मरीजों के इलाज में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

वोट चोरी के सबूतों का हाइड्रोजन बम

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने के बाद 1 सितम्बर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया था कि वे अब हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। तब भाजपा ने उनका आदतन या रणनीति के तहत मजाक उड़ाया था कि राहुल कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता सकते तो वोट चोरी का बहाना बनाते हैं। भाजपा ने हाइड्रोजन बम को सीधे अहिंसा से भी जोड़ा था, मानो गांधीजी के विचारों पर भाजपा से बेहतर कोई और नहीं चलता। भाजपा राहुल गांधी को हतोत्साहित करने की पूरी कोशिश करती रही और सितम्बर के बाद अक्टूबर भी बीत गया तो पार्टी काफी हद तक निश्चिंत हो गई थी कि अब राहुल का हाइड्रोजन बम नहीं फूटने वाला। लेकिन भाजपा को शायद यह अनुमान नहीं था कि बिहार विधानसभा चुनावों में पहले दौर के मतदान से ठीक एक दिन पहले फिर नए सबूतों के साथ देश को बताएंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर लाखों वोटों की हेरा–फेरी की है। 5 नवंबर बुधवार की सुबह खबर आई कि 12 बजे राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में

प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, इसी के साथ तस्वीरें आईं जिनमें सामान ढोने वाली ट्रॉली में कागजात के ऊंचे–ऊंचे बंडल लाए जा रहे थे। तभी समझ आ गया था कि राहुल गांधी ने जिस हाइड्रोजन बम की चेतावनी सितम्बर में दी थी, अब उसका धमाका होने वाला है। और वाकई ऐसा धमाका हुआ है कि चुनाव आयोग और भाजपा पूरी तरह हिल चुके हैं। राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद ही मोदी सरकार में मंत्री किरण रिजीजू ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कुछ होने वाला नहीं है, इसलिए हरियाणा का जिक्र कर ध्यान भटकाया जा रहा है। वहीं हरियाणा के मुख्य चुनाव आयुक्त ने बुधवार को राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद चुनाव के विभिन्न चरणों की पारदर्शिता और क्रियान्वयन के बारे में लंबी–चौड़ी सफाई सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इससे पता चलता है कि अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करने की तैयारी पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने कर ली थी। हालांकि राहुल गांधी ने बड़े आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगे हैं। उनकी तरफ से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया है।

ज्ञात हो कि हरियाणा चुनाव में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कहा था कि हमारी जीत तय है और सारी व्यवस्था हो गई है। इस व्यवस्था शब्द को पकड़ कर राहुल गांधी ने बताया कि भाजपा की चुनावी रणनीति में इसका असली मतलब क्या है। किस तरह चुनाव आयोग को जरिया बनाकर भाजपा धांधली करवा रही है। लेकिन किरण रिजीजू का कहना है कि व्यवस्था का मतलब हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की पूरी तैयारी है, जो चुनाव जिताने में मेहनत करते हैं। हालांकि इस वार–पलटवार से उन सवालों के जवाब नहीं मिल रहे, जो राहुल गांधी ने उठाए हैं। जैसे मतदाता सूची में राहुल गांधी ने एक ब्राजीलियन मॉडल का चेहरा दिखाया, जिसका नाम 22 जगहों पर मतदाता के तौर पर दर्ज था। एक प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि मकान नंबर शून्य उन्हें दिया जाता है, जो दुर्भाग्यशाली लोग बेघर होते हैं। जो लैंपपोस्ट के नीचे या फुटपाथ पर रहते हैं। लेकिन हरियाणा की मतदाता सूची में मकान नंबर शून्य वाले कई मतदाताओं के पास बड़े घर का मालिकाना हक राहुल गांधी ने दिखा दिया। राहुल गांधी ने बताया कि कुछ भाजपा नेता और उनके रिश्तेदार जो उत्तरप्रदेश में वोट डालते हैं, उनका नाम भी हरियाणा की वोटर लिस्ट में था। कई वोटर आईडी में फोटो एकदम धुंधली है और उस धुंधले चेहरे को कई बूथों पर वोटर के तौर पर राहुल गांधी ने दिखा दिया। ऐसी गलतियां दो–चार होती तब भी इन पर संदेह नहीं होता। हालांकि कम्प्यूटर और एआई की मदद से जब वोटर लिस्ट बनाई जा रही हो, तब ऐसी गलतियां शून्य होना चाहिए। लेकिन हरियाणा में दस–बीस नहीं कम से कम 25 लाख मतदाताओं की चोरी की गई है। राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस में कुछ लोगों की आपबीती भी सुनाई गई, जिनके नाम लोकसभा चुनावों के वक्त दर्ज थे और जिन्होंने वोट भी दिए थे। लेकिन विधानसभा में उनके नाम काट दिए गए। संविधान के तहत वयस्क मताधिकार का जो अनूठा उपहार भारतीय नागरिकों को मिला है, वह बेशकीमती है। लेकिन दुख की बात है कि भाजपा के शासन में इस अनमोल तोहफे को चालाकी से छीना जा रहा है। इसलिए बुधवार को राहुल गांधी को सीधा आह्वान करना पड़ा कि जेन जी यानी नयी पीढ़ी के लोग अहिंसक तरीके से इस चोरी को रोकने और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आएं। खुद राहुल गांधी ने भी नागरिक होने के नाते अपनी जिम्मेदारी बताई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट और मीडिया के पाले में भी राहुल ने गेंद डाल दी है कि ये खुद से इस वोट चोरी को रोकने के लिए आगे आते हैं या नहीं। गौरतलब है कि इस समय एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा है। बिहार चुनाव शुरु होने से पहले ही इसे रोकने की याचिकाएं दर्ज करा दी गई थीं, इन पर कई बार अदालत बैठ चुकी है, लेकिन पहले चरण की वोटिंग से पहले भी कोई नतीजा सामने नहीं आया है। उधर देश भर में अब एसआईआर की कवायद शुरु हो गई है। जबकि तमिलनाडु, प.बंगाल और महाराष्ट्र में इसका विरोध हो रहा है। ज्ञानेश कुमार मतदाता सूची शुद्धिकरण की बात करते हैं। लेकिन अब उन्हें बताना चाहिए कि 2 करोड़ मतदाताओं वाले हरियाणा में 25 लाख फर्जी मतदाताओं के सबूत राहुल गांधी दे चुके हैं और ये संख्या बढ़ सकती है, ऐसे में उनका क्या जवाब है। क्या हर बार की तरह राहुल गांधी के इस दावे पर भी फेक का ठप्पा चुनाव आयोग लगा देगा। याद रहे कि अगस्त में राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर के सबूत दिए थे। जिसमें एक ही मकान पर कई लोगों का पता दर्ज होने, फर्जी पते या नाम या उम्र या लिंग के साथ मतदाता के तौर पर दर्ज होने, एक ही व्यक्ति के पास एक से अधिक जगहों के मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) होने के सबूत आए थे और फिर सितम्बर में अलंद सीट पर ऐसे ही सबूत पेश किए थे।

शिक्षक भर्ती के लिए गुपचुप साक्षात्कार, झटपट जॉइनिंग, परिणाम घोषित नहीं सिर्फ चयनित अभ्यर्थियों को बताया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में कानून का पाठ पढ़ाने वाले डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में हाल ही में हुई शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया सवालों के घेरे में है। साक्षात्कार से लेकर परिणाम तक, सबकुछ गोपनीय रखा गया। साक्षात्कार के परिणाम भी वेबसाइट पर अपलोड करने के बजाय सिर्फ चयनित अभ्यर्थियों के ईमेल पर भेजे गए। गुपचुप हुई इस भर्ती में किसी भी स्तर पर पारदर्शिता नहीं दिखाई गई। विश्वविद्यालय में बीते 17 सितंबर को एसोसिएट प्रोफेसर और 18 व 19 सितंबर को असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए साक्षात्कार हुए। रिक्त पदों के सापेक्ष कुल 17 लोगों की भर्ती की गई। इसमें तीन असिस्टेंट प्रोफेसरों का चयन कॅरिअर उन्नयन योजना (कैश) के तहत हुआ। इसके तुरंत बाद आननफानन 20 सितंबर को कार्यपरिषद की बैठक बुलाई गई। बैठक में चयन के लिफाफे खोले गए और उसी रात प्रमोशन पाने वालों की जॉइनिंग भी करा दी

गई। अब इस भर्ती प्रक्रिया पर विश्वविद्यालय में ही सवाल उठने लगे हैं। इस संबंध में जब कुलपति से बात करने का प्रयास हुआ तो उन्होंने प्रवक्ता से बात करने की सलाह दी। जब प्रवक्ता से बात की गई तो उन्होंने बहुत से सवालों के जवाब नहीं दिए। नियमानुसार आवेदन के बाद साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड की जानी चाहिए थी। सूत्र बताते हैं कि ऐसा नहीं किया गया। साक्षात्कार की तिथियां भी सार्वजनिक नहीं की गईं। अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया गया। साक्षात्कार के बाद चयनित हुए अभ्यर्थियों की अंतिम सूची और कार्यपरिषद के मीटिंग मिनट्स भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट अपलोड नहीं किए गए। यहां तक कि कार्यपरिषद की बैठक भी अचानक गुपचुप तरीके से हुई। सूत्रों ने ये भी खुलासा किया है कि जिन शिक्षकों की भर्ती हुई है, उनमें तीन नाम ऐसे हैं जिन पर पहले से एफआईआर दर्ज है। जल्दबाजी इतनी थी कि विश्वविद्यालय ने चयनित अभ्यर्थियों की जॉइनिंग से पहले उनका पुलिस वेरीफिकेशन कराना भी मुनासिब नहीं समझा। ये बताई गई वजहरू एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भर्ती में पारदर्शिता न होने के पीछे वजह ये थी कि कुछ लोगों के पास पात्रता नहीं थी।

हिरासत में युवक की मौत मामले में बड़ी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। रेलवे सुरक्षा बल की हिरासत में मोतीगंज के किनकी गांव निवासी संजय की मौत के मामले में बृहस्पतिवार को बड़ी कार्रवाई की गई है। आरोपों की जद में आए आरपीएफ के उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार, करण सिंह यादव तथा कांस्टेबल अमित कुमार यादव को निलंबित कर दिया गया है। आरपीएफ के डीआईजी चंद्रमोहन मिश्र का कहना है कि यह कार्रवाई प्रथमदृष्टया आरोप पर की गई है। मामले की विस्तृत जांच चल रही है। मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे आरपीएफ ने चोरी के

आरोप में संजय को हिरासत में लिया था। बताया गया कि पूछताछ के दौरान तबीयत बिगड़ने पर संजय को मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस मामले में बुधवार को मृतक के भाई राजू सोनकर ने आरपीएफ कर्मियों पर हिरासत के दौरान पिटाई करके मार डालने का आरोप लगाते हुए हत्या की तहरीर दी थी। इस पर कोतवाली नगर में तीनों आरपीएफ कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की जांच कोतवाली नगर पुलिस कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

स्टेशन से पहले इंटरसिटी एक्सप्रेस में धुआं उठने से मची अफरातफरी

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी जिले के रामनगर–बुढ़वल रेलवे स्टेशन से पहले बने ओवरब्रिज के पास गुरुवार सुबह इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच के पहियों से अचानक धुआं उठने लगा। यह देखकर यात्रियों में अफरातफरी मच गई। सुबह के सन्नाटे और जंगल के बीच ट्रेन रुकने से घबराए यात्री कोचों से नीचे उतर आए। हालांकि जांच में मामला ब्रेक जाम का निकला, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, गोरखपुर से लखनऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह करीब 10रू24 बजे बुढ़वल जंक्शन से पहले ओवरब्रिज के पास पहुंची थी। इसी दौरान जनरल कोच के पहियों से अचानक धुआं उठने लगा। घबराए यात्रियों ने तत्क्षण चेन खींचकर ट्रेन रोक दी। ट्रेन रुकते ही गार्ड और लोको पायलट मौके पर पहुंच गए और स्थिति की जांच की। जीआरपी प्रभारी बुढ़वल जयंत दुबे ने बताया कि कोच के ब्रेक पहियों से चिपक जाने और अधिक गर्म होने के कारण धुआं उठा था। किसी भी प्रकार की कोई तकनीकी खराबी या जनहानि नहीं हुई है। घटना के चलते ट्रेन करीब 20 मिनट तक रुकी रही, जिसके बाद उसे लखनऊ के लिए रवाना कर दिया गया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रवक्ता अमरनाथ अग्रवाल का निधन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता रहे अमरनाथ अग्रवाल का बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन से प्रदेश कांग्रेस में गहरा शोक व्याप्त है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शोक संदेश जारी करते हुए कहा कि अमरनाथ अग्रवाल का जाना पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे न केवल एक कुशल वक्ता थे, बल्कि एक समर्पित और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता भी थे, जिन्होंने पार्टी की विचारधारा को जन–जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।बताया गया है कि अमरनाथ अग्रवाल बीते दो महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे और एक माह से गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती थे, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही कांग्रेसजनों में शोक की लहर दौड़ गई।राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने भी अमरनाथ अग्रवाल के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया और इसे पार्टी की गहरी क्षति बताया। उन्होंने कहा कि अग्रवाल जी का योगदान सदैव कांग्रेस परिवार को प्रेरित करता रहेगा।कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने भी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अमरनाथ अग्रवाल का जाना पार्टी के लिए बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि वे सदैव कांग्रेस के मूल सिद्धांतों और विचारधारा के प्रति समर्पित रहे।वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्विजेंद्र त्रिपाठी, वीरेंद्र मदान, प्रमोद सिंह, अंशू अवस्थी, मुकेश सिंह चौहान, डॉक्टर आर.पी. त्रिपाठी, सिद्धि , बबलू पांडे (बस्ती), विजय कुमार सहित अनेक कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।अमरनाथ अग्रवाल के निधन से प्रदेश कांग्रेस ने एक ऐसे कर्मठ नेता को खो दिया है, जिन्होंने संगठन को सशक्त बनाने में अपनी पूरी ऊर्जा समर्पित कर दी थी।

मेट्रो के कारण बदलनी पड़ी जगह, अब निशातगंज में बनेगा संस्कृत निदेशाल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मेट्रो के दूसरे चरण का काम स्वीकृत होने से संस्कृत निदेशालय

व परिषद कार्यालय अब कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन (सीटीई) कैसरबाग परिसर में नहीं बनेगा। काफी जद्दोजहद के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए निशातगंज जीआईसी के पीछे की जगह तय की है। संशोधित प्रस्ताव शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। प्रदेश में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने व उसके कामकाज को सुचारु रखने के लिए राजधानी में संस्कृत निदेशालय व परिषद का नया भवन प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में निदेशालय प्रयागराज में चल रहा है। परिषद का राजधानी स्थित भवन काफी जर्जर है। ऐसे में उसकी जमीन केजीएमयू को देने का निर्णय लिया गया था। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए आवश्यक बजट की पहली किस्त जारी करते हुए कार्यदायी संस्था भी नामित कर दी थी, लेकिन काम शुरू होने से पहले ही राजधानी में मेट्रो के दूसरे चरण के काम को मंजूरी मिल गई। इसके तहत सीटीई परिसर के एक हिस्से में मेट्रो स्टेशन बनना है। इससे यहां पर नया भवन बनाया जाना संभव नहीं था। लंबी कवायद के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने निशातगंज जीआईसी में पीछे की तरफ खाली पड़ी जमीन पर इसके निर्माण का निर्णय लिया है। विभाग ने यहां की मिट्टी आदि की जांच–पड़ताल के बाद 42.42 करोड़ से बनने वाले चार मंजिला संस्कृत निदेशालय व संस्कृत परिषद भवन के निर्माण का संशोधित प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद जल्द ही इसका काम शुरू होगा। इससे प्रदेश में संस्कृत के पठन–पाठन को बढ़ावा देने के साथ ही 1200 से अधिक कॉलेजों के संचालन व देखरेख में भी काफी सहूलियत मिलेगी।

प्रदेश में बड़े पैमाने पर माध्यमिक शिक्षकों के तबादले, जून से इंतजार कर रहे थे अध्यापक लिस्ट जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के 1549 शिक्षकों को अंततरू तबादला मिल गया। यह शिक्षक जून से ऑफलाइन तबादलों का इंतजार कर रहे थे। बुधवार को इनके तबादला आदेश जारी कर दिए गए। शिक्षक इसे विभाग की वेबसाइट पर देख सकते हैं। एडेड माध्यमिक विद्यालयों में इस साल पहले ऑफलाइन तबादले के लिए आवेदन ले लिए गए। इसके तहत 1641 शिक्षकों ने आवेदन किया था। जबकि बाद में यह तय हुआ कि ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों माध्यम से तबादले किए जाएंगे। इसके बाद जून में ऑनलाइन आवेदन वाले तबादले तो हो गए लेकिन ऑफलाइन हुए आवेदन वाले तबादले फंस गए। इसके लिए शिक्षकों ने कई बार माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर धरना दिया। अंत में पिछले दिनों माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी के आवास के सामने भी धरना दिया। इसके बाद विभाग ने विशेष

परिस्थितियों में इन ऑफलाइन तबादले करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर बुधवार को तबादले जारी कर दिए गए। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर शिक्षा निदेशक सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि एडेड माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता, सहायक अध्यापकों के तबादले वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं। 1641 में से 1549 शिक्षकों को तबादला मिला है। कुछ शिक्षकों के ऑनलाइन आवेदन के बाद तबादले हो गए हैं या उनके कागज आदि अपूर्ण रहे हैं। इसकी वजह से वे बच गए। बता दें कि विभाग ने नए सत्र 2026–27 के लिए पहले ही निर्देश जारी कर दिया है कि शिक्षकों के तबादले ऑनलाइन ही होंगे। ताकि शिक्षकों के बीच इसे लेकर किसी तरह का कोई भ्रम की स्थिति न रहे।

संक्षिप्त खबरें

थाना माल क्षेत्र में महिला हत्या कांड का खुलासा

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी लखनऊ के थाना माल क्षेत्र में हुई अज्ञात महिला की हत्या के मामले का लखनऊ पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। डीसीपी उत्तरी की सर्विलांस टीम और थाना माल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पाँच शातिर हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पाँच मोबाइल फोन और 1300 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मृतका का पति राजू गुप्ता भी शामिल है, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की साजिश रची थी।घटना का खुलासा 3 नवम्बर 2025 को हुआ, जब थाना माल क्षेत्र के ग्राम बसहरी स्थित आम के बाग में एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया था। पुलिस ने शव की पहचान के प्रयास शुरू किए। बाद में मृतका की बेटी सुमन ने फोटो, कपड़े और सैंडिल देखकर शव की पहचान अपनी मां पूजा देवी के रूप में की। सुमन ने पुलिस को बताया कि उसकी मां पूजा देवी की शादी राजू गुप्ता से हुई थी, जो अकसर उससे झगड़ा करता था। सुमन की तहरीर पर थाना माल में राजू गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी उत्तरी के निर्देशन में सर्विलांस टीम और थाना माल की संयुक्त जांच शुरू की। भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण और मुखबिर खास की सूचना पर 5 नवम्बर की रात काकराबाद अंडरपास से पाँचों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजू गुप्ता (56 वर्ष), मो. शकील (54 वर्ष), सर्वेश (40 वर्ष), राजेश कुमार (27 वर्ष) और अनीस (65 वर्ष) के रूप में हुई है।पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी राजू गुप्ता ने अपने अपराध को स्वीकार करते हुए बताया कि पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उसने दो वर्ष पूर्व पूजा देवी से विवाह किया था। यह पूजा देवी की भी दूसरी शादी थी। मृतका की पहली शादी से तीन संतानें थीं ।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर बीमा कम्पनी से 25 लाख हड़पने वाले दंपत्ति गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना हजरतगंज पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और आधार कार्ड बनाकर बीमा कम्पनी से 25 लाख रुपये का दावा करने वाले दंपत्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अमित कुमार वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (मध्य) विक्रान्त वीर, अपर पुलिस उपायुक्त जितेन्द्र कुमार दूबे तथा सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज विकास जायसवाल के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने यह गिरफ्तारी की। थाना हजरतगंज पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम रवि शंकर पुत्र स्वर्गीय हीरालाल तथा केश कुमारी पत्नी रवि शंकर हैं। दोनों मूल रूप से रायबरेली के एम–5/77, प्रगतिपुरम कॉलोनी, रातापुर के निवासी हैं और वर्तमान में जानकीपुरम, सीतापुर रोड, लखनऊ में किराये पर रह रहे थे। रवि शंकर कलेक्शन एजेंट का काम करता है जबकि उसकी पत्नी गृहिणी है।मामले की शुरुआत तब हुई जब अवीवा इंडिया बीमा कम्पनी के अधिकारी संदीप मधुकर ने 9 अक्टूबर 2025 को थाना हजरतगंज में शिकायत दर्ज कराई।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन की रजिस्ट्री कराने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने किया खुलासा

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना पीजीआई की पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे धोखाधड़ी कर जमीन की रजिस्ट्री कराने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई बुधवार को किसान पथ के नीचे रायबरेली रोड स्थित ओमेक्स के पास की, जहां आरोपी रामरूप उर्फ रूपन, उम्र करीब 30 वर्ष, पुत्र रामनाथ, निवासी सुखलालखेड़ा थाना नगराम, जनपद लखनऊ को दबोच लिया गया।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसन्थ कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ रूणवाल के कुशल निर्देशन में और थाना पीजीआई प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।मामला 6 अप्रैल 2025 का है, जब पीड़ित चेतराम पुत्र स्व. गरीबे, निवासी ग्राम अमोल मजरा, कल्ली पश्चिम, थाना पीजीआई लखनऊ ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उसकी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे बेच दिया है। इस मामले में निशा शुक्ला, मनोज कुमार और हेमेन्द्र सिंह चंदेल नामजद किए गए थे। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी रामरूप उर्फ रूपन ने विक्रय विलेख में वादी की जगह अपनी फोटो लगाकर प्रतिरूपण, धोखाधड़ी और कूटरचना की थी। आरोपी ने जमीन की रजिस्ट्री कराई और उससे आर्थिक लाभ प्राप्त किया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था।मुखबिर की सूचना पर बुधवार को थाना पीजीआई की पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त रामरूप उर्फ रूपन के खिलाफ थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 165/2025 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) एवं 61(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत है।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से विस्तृत पूछताछ की और आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि इस धोखाधड़ी में शामिल अन्य अभियुक्तों के खिलाफ भी साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया जारी है।थाना पीजीआई की पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक विवेक कुमार यादव और महिला कांस्टेबल प्रीति सरोज शामिल रहे।पुलिस के अनुसार आरोपी पेशेवर ढंग से लोगों की संपत्तियों पर फर्जीवाड़ा करने में लिप्त था और इस प्रकरण में उसकी भूमिका मुख्य रूप से जमीन की रजिस्ट्री में वादी के स्थान पर अपनी पहचान प्रस्तुत करने की थी। उसकी गिरफ्तारी को पुलिस की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश ने किया विधि प्रकोष्ठ का पुनर्गठन

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश ने अपने संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को विधि प्रकोष्ठ के नए पदाधिकारियों की घोषणा की है। यह नियुक्तियाँ प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह की स्वीकृति से की गईं, जिनकी घोषणा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट प्रखर श्रीवास्तव (लखनऊ, हाईकोर्ट) द्वारा की गई।नए पुनर्गठन में कई समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। इसी क्रम में एडवोकेट मोहम्मद आसिफ नगरामी (लखनऊ) को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश विधि प्रकोष्ठ का प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नगरामी लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं और पार्टी की नीतियों तथा जनसरोकारों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संगठन में उनकी नियुक्ति को एक सशक्त कदम और विधि प्रकोष्ठ के लिए प्रेरणादायक शुरुआत माना जा रहा है।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया स्मार्ट क्लास का उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। एनवायरनमेंट वॉरियर्स संस्था के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित एक विकासोन्मुख कार्यक्रम में सरोजनी नगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सतत विकास को बढ़ावा देना था।इस अवसर पर डॉ. सिंह ने प्राथमिक विद्यालय, चौखापुरी में उनके द्वारा पूर्व में दान की गई स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया। साथ ही विद्यालय के समग्र विकास के लिए उन्होंने 1 लाख की धनराशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो सके।शैक्षणिक प्रगति को प्रोत्साहित करते हुए डॉ. सिंह ने प्राथमिक विद्यालय, हुसैन नगर को 25,000 की सहायता राशि प्रदान की और वहाँ डिजिटल स्मार्ट क्लास की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने विद्यालय के उच्च प्राथमिक में उच्चीकरण, ओपन एयर जिम की स्थापना और खेल के मैदान हेतु जमीन उपलब्ध कराने के प्रयासों की भी घोषणा की।महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए, विधायक ने वन विभाग को 14 सिलाई मशीनें प्रदान कीं। इन मशीनों के माध्यम से मुस्तफाबाद वन अतिथि गृह में "तारा शक्ति केन्द्र" की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र का उद्देश्य तराई क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।अम्बालिका ग्रुप के चेयरमैन अम्बिका मिश्रा ने डॉ. राजेश्वर सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्यों में संस्थान निरंतर सहयोग करेगा।अपने संबोधन में डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि "शिक्षा में तकनीकी नवाचार और महिलाओं का आत्मनिर्भर बनना ही समाज के समग्र विकास की कुंजी है।" उन्होंने

कहा कि जब शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण एक साथ आगे बढ़ते हैं, तभी सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, विद्यालयों के अध्यापकों, वन विभाग के अधिकारियों तथा एनवायरनमेंट वॉरियर्स संस्था के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने विधायक डॉ. सिंह के विकासोन्मुख प्रयासों की सराहना की।इस अवसर पर पूर्व आईआरएस अधिकारी और यूपी रीट के सदस्य रामेश्वर सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य मुनीश पाठक, प्राथमिक विद्यालय हुसैन नगर के प्रधानाचार्य प्रबल प्रताप सिंह, अध्यापक विपिन कुमार, ब्रज बाबा, ऋषि पाल सिंह लोधी, प्रधान मान सिंह, रेखा, पूनम देवी, आशिब सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गुरुद्वारों में गूंजा कल तारण गुरु नानक आया

लखनऊ, (संवाददाता)। सदर, नाका, यहियागंज और आलमबाग समेत शहर के सभी गुरुद्वारों में गुरु नानकदेव जी के 556वें प्रकाश पर्व पर सजे दरबार में श्रद्धालुओं ने माथा टेका। दीवान सजे और शबद कीर्तन के साथ गुरु के उपदेश सुनाए गए। लंगर का वितरण भी हुआ। सदर गुरुद्वारे में गुरविंदर सिंह ने आसा की वार के कीर्तन से शुरुआत की। अमृतसर से आए हजूरी रागी अरविंद सिंह नूर ने कल तारण गुरु नानक आया... शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। यश भारती से सम्मानित दविंदर सिंह ने जाहर पीर जगत गुरु बाबा... से गुणगान किया। हेड ग्रंथी ज्ञानी हरविंदर सिंह ने गुरु नानक देव जी के जीवन, उपदेशों और संदेशों को कथा से रखा। अवसर पर निशुल्क शिविर लगाया गया, जिसमें डॉ. सरजीत सिंह ने जांच की। दीवान के बाद गुरु का अटूट लंगर बांटा गया। गुरुद्वारा अध्यक्ष तेजपाल सिंह रोमी, कार्यवाहक अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह जग्गी, गुरुद्वारा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार इंदर सिंह छाबड़ा, कुलबीर सिंह कोहली, जसविंदर सिंह बेदी, अमृतपाल सिंह भल्ला, रंजीत सिंह लाली, इंद्रजीत सिंह खालसा, गुरमीत सिंह राजपाल, आईएस बिंद्रा, भूपेंद्र पाल सिंह आदि मौजूद रहे। आलमबाग गुरुद्वारे में हेड ग्रंथी ने कथा सुनाकर गुरु नानक देव जी के जीवन की शिक्षाओं को बताया। रागी सत्येन्द्र सिंह ने कीर्तन से निहाल किया। अंत में लंगर लगा। प्रधान निर्मल सिंह, रतपाल सिंह पाल गोल्डी, हरजीत सिंह, इकबाल सिंह, परमिंदर सिंह, परमजीत सिंह, मनमोहन सिंह ने गुरु पर्व की शुभकामनाएं दीं। यहियागंज स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेगबहादुर साहिब में शाम सात बजे से देर रात तक विशेष दीवान सजाया गया। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि डॉ. गुरमीत सिंह के संयोजन में हुए कार्यक्रम में अमृतसर से आए।

डीसीएम श्रीराम लि0 शुगर यूनिट-लोनी चीनी मिल का पेराई सत्र 2025-26 का शुभारम्भ

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) डीसीएम श्रीराम लि0 शुगर यूनिट–लोनी चीनी मिल का पेराई सत्र 2025–26 का शुभारम्भ शुक्रवार को विधिवत पूजा के साथ माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (उ0 प्र0) श्रीमती रजनी तिवारी, जिला गन्ना अधिकारी महोदया श्रीमती निधि गुप्ता, चीनी मिल के अधिशासी निदेशक एवं सी.ई.ओ.(शुगर) श्री रोशन लाल टामक, मुख्य संचालन अधिकारी श्री आशुतोष त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र शाहाबाद एवं श्यामू त्रिवेदी टोडरपुर, सम्बन्धित समितियों एवं परिषदों से आये सभी सचिव व ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से प्रथम बैलगाड़ी, ट्राली एवं ट्रक द्वारा लाये गये गन्ने की तौल कराकर कर की शुरूआत कर किया गया एवं किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस शुभ अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (उ0 प्र0) श्रीमती रजनी तिवारी द्वारा बताया गया कि गन्ने के मूल्य में रू0 30़–प्रति कुन्तल की बढ़ोत्तरी की जा चुकी है इससे किसान भाइयों में खुशी की लहर है। उनके द्वारा बुवाई तकनीक व विभिन्न कृषि यन्त्रों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया तथा चीनी मिल द्वारा किसान हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनायों की सराहना की। इस शुभ अवसर पर गन्ना विभाग से जिला गन्ना अधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता द्वारा बताया गया कि किसान भाई अपनी आय बढ़ाने हेतु शरदकालीन गन्ने की बुवाई के साथ–साथ सहफसली खेती अवश्य ले जिससे आपको अतिरिक्त लाभ मिलेगा और आय भी दुगुनी होगी तथा उनके द्वारा सहफसली खेती हेतु किसान भाईयों के लिये कृषि विभाग द्वारा सरसों का बीज निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर चीनी मिल के अधिशासी निदेशक एवं सीईओ (शुगर) श्री आर0एल0टामक ने किसानों को हार्दिक शु भकामनाओं के साथ–साथ समय से गन्ने की खरीद का आश्वासन दिया तथा उन्होंने सुख समृद्धि का संकल्प अधिक उपज ही एक विकल्प के सन्देश के साथ किसान भाईयों को अधिक से अधिक उत्पादन लेकर अपनी आय में वृद्धि करें तथा प्रदेश में अपना व चीनी मिल का नाम रोशन करें। इस शुभ अवसर पर चीनी मिल के मुख्य संचालन अधिकारी श्री आशुतोष त्रिपाठी किसानों को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ–साथ किसानों से अनुरोध किया कि किसान भाई अपनी आय बढ़ाने हेतु शरदकालीन गन्ने की समय से बुवाई करे और अधिक उपज प्राप्त कर अधिक लाभ कमाये तथा उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि किसान भाइयों को चीनी मिल की ओर से कोई भी परेशानी नहीं होने दी जायेगी। मिल का पेराई सत्र शुरू होने से किसानों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। इस अवसर पर चीनी मिल के अपर उपाध्यक्ष एवं इकाई प्रमुख राजा श्रीवास्तव ने कृषको को आगामी पेराई सत्र के लिए शुभकामनाए दी। इस वर्ष चीनी मिल का पेराई का लक्ष्य 140 लाख कुन्टल (एक करोड़ चालीस लाख कुन्तल) है समय पर भुगतान करने के लिए डीसीएम श्रीराम कटिबद् है, अतः किसान भाई अपने रकबे में अधिक से अधिक गन्ना बुवाई कर मिल को गन्ने की आपूर्ति में सहयोग करें। इकाई प्रमुख ने स्वागत करते हुये कहा कि किसानों का हित चीनी मिल के लिए सर्वोपरि है। विभागाध्यक्ष (गन्ना) अनिल सिंह ने कृषकों को आय बढ़ाने के लिए गन्ने की उन्नतशील प्रजातियों तथा वैज्ञानिक तकनीकियो को अपनाकर उपज बढ़ाने व अपनी आमदनी दोगुनी करने के लिए जोर दिया। इन्होनें कृषकों से लेवरों की लागत को कम करने के लिये अधिक से अधिक मैकानिकल प्लांटर (गन्ना बुवाई मशीन – एक मशीन 5 कार्य) से शरदकालीन गन्ना बुवाई हेतु आवाहन किया और साथ ही खेतो में अधिक से अधिक

प्रेसमड एवं कम्पोस्ट खाद डालने, फसल के अवशेष को न जलाने तथा पानी बचत तकनीकी अपनाने पर जोर दिया तथा किसानों से अपील की कि मिल को साफ–सुथरा ताजा गन्ना ही आपूर्ति करें। किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपने ग्राम की निर्धारित शिफ्ट में ही गन्ना आपूर्ति करें। इस अवसर पर इस अवसर पर विभागीय अधिकारी श्री संजय सिंह, श्री बृजभूशण शाक्य, श्री पुत्तन लाल जी, श्री अजय कुमार, चीनी मिल के प्रदीप त्यागी (इकाई प्रमुख हरियावां), (संजीव कुमार तोमर (इकाई प्रमुख रूपापुर), अखिलेश गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, शोभित रस्तोगी, सुनीता पाण्डेय, अली आरजू जैदी, गौरव रस्तोगी, विवेक रस्तोगी, आनन्द सिंह, प्रवीर सिंह, ओ.पी. शर्मा, विष्णु दीक्षित एवं मिल के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वन्दे मातरम गीत ने सभी में राष्ट्रीय चेतना जागृत की : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम्श के 150 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित इस गीत की 150वीं वर्षगांठ 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक देश भर में चार चरणों में मनाई जाएगी। इसी क्रम में जौनपुर जनपद में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। जनपद का मुख्य कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। इसमें जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम अक्षयवर चौहान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल सहित कई अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। सभी ने लखनऊ के लोक भवन सभागार से मुख्यमंत्री के मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और उनका उद्बोधन सुना। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत श्वन्दे मातरम्श का गायन किया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार, जनपद के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को श्वन्दे मातरम्श गीत के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रबुद्ध साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस गीत की रचना तब की थी, जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था और औपनिवेशिक शक्तियों से संघर्ष कर रहा था। डॉ. दिनेश चंद्र ने आगे कहा कि श्वन्दे मातरम्श गीत ने सभी में राष्ट्रीय चेतना जागृत की। इसने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सामूहिक रूप से संगठित होकर आजादी की लड़ाई लड़ने का हौसला प्रदान किया। यह गीत राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का आह्वान था, जिसने जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर देश को एकता के सूत्र में बांधा। उन्होंने यह भी बताया कि यह गीत देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित करने वाला एक राष्ट्रीय प्रतीक है। जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों में श्वन्दे मातरम्श गीत के नियमित गायन के साथ–साथ वाद–विवाद, निबंध और गीत प्रतियोगिताओं के आयोजन के निर्देश दिए।

खिलाड़ियों को खेल को करियर के रूप रूप में अपनाना चाहिए : रुद्र प्रताप सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,07 नवंबर ।इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में शुक्रवार को भारतीय हॉकी के अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ (थ्प्भ्) से जुड़ने के शताब्दी वर्ष पर बालक एवं बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन 7 नवंबर, 1925 को भारतीय हॉकी के थ्प्भ् से जुड़ने की स्मृति में किया गया। खेल मंत्रालय भारत सरकार और खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के तहत हॉकी इंडिया और यूपी हॉकी के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के 75 जनपदों में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव और जौनपुर के वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रुद्रप्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह ने अंगवस्त्रम और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि सिंह ने अपने उद्घाटन संबोधन में हॉकी के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला और खिलाड़ियों को खेल को करियर के रूप रूप में अपनाने के लिए

प्रेरित किया। अतिथियों ने टीमों से परिचय प्राप्त करने के बाद हॉकी बॉल को स्टिक से मारकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान हॉकी जौनपुर के सचिव सुधांशु गुप्ता और हॉकी प्रशिक्षक मोहम्मद इजहार भी मौजूद थे, जिनका जनपद के प्रशिक्षकों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। बालक वर्ग में इंदिरा गांधी स्टेडियम की हॉकी टीम ने जनता जनार्दन इंटर कॉलेज की टीम को 2–0 से हराया। बालिका वर्ग में के.के. स्पोर्ट्स क्लब की हॉकी टीम ने एस.एस. पब्लिक स्कूल की टीम को 3–1 से पराजित किया। मैच के दौरान कबड्डी प्रशिक्षक कन्हैया सिंह यादव, एथलेटिक्स प्रशिक्षक कृष्ण कुमार यादव, बॉक्सिंग प्रशिक्षक शशि कुमार यादव, वॉलीबॉल प्रशिक्षक दिलीप कुमार और हैंडबॉल प्रशिक्षक नीलेश कुमार यादव भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कन्हैया सिंह यादव ने किया। अंत में, क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह ने ने उपस्थित अतिथियों और खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

'ओमेक्स ने हरमनप्रीत कौर को बनाया ब्रांड एम्बैसडर'

'लखनऊ। रियल एस्टेट कंपनी ओमेक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त किया है। कंपनी का कहना है कि यह साझेदारी ओमेक्स की उस सोच को और मजबूत करती है, जिसके तहत ओमेक्स खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस मौके पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, "ओमेक्स परिवार से जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। यह कंपनी युवाओं को मजबूत बनाने, कम्युनिटी को जोड़ने और ऐसी जगहों को डेवलप करने की दिशा में काम कर रही है, जो सपनों को हकीकत में बदलने के लिए इंस्पायर करते हैं।" ओमेक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मोहित गोयल ने कहा, "भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी इंस्पिरेशनल क्रिकेट हीरो का हमारे साथ आना हमारे लिए गर्व की बात है। यह साझेदारी हमारे उस विजन को आगे बढ़ाएगी जिसके तहत हम खेल के साथ अपनी पार्टनरशिप से हम कम्युनिटी को बेहतर बनाते हैं और सभी को ज्यादा मौके देना चाहते हैं।"

सत्संग सुनने व अनुकरण से जीवन मे होता है सुधार – आचार्य रविकांत शास्त्री

अयोध्या ।विकास खंड तारुन क्षेत्र के तिवारीपुर पछियाना मे डाक्टर अंबिकेश त्रिपाठी के यहाँ चल रही श्रीमद् भागवत कथा का रसपान भारी संख्या मे मौजूद श्रोता आचार्य रविकांत शास्त्री के मुखारविंद से करा रहे है ।गुरुवार को उन्होंने कथा कहते हुए कहा कि मनुष्य शरीर साधन है जिससे हम धर्म कर्म करके लोक परलोक दोनों को मंगलमय बना सकते हैं,यहीं मानव धर्म हैं,,साधन धाम मोक्ष कर द्वारा, पाई न जे परलोक संवारा। ।कुछ ही क्षण सत्संग सुनने व अनुकरण करने से जीवन सुधर सकता है और थोड़ी देर की कुसंग से जीवन नष्ट हो सकता है जैसे अजामिल के जीवन से स्पष्ट होता है ।शुकदेव ने परीक्षित को सूर्यवंश और चन्द्र वंश की कथा सुनाते हुए बताया कि दोनों वंश में राम और कृष्ण के रूप में भगवान ने अवतार लिया। राम चरित्र के बाद ही श्री कृष्ण चरित्र को समझा जा सकता है। राम ने जो किया है उसे करना चाहिए और कृष्ण ने जो कहा है उसे करना चाहिए ।राम मर्यादा पुरूषोतम है और कृष्ण पुष्टि पुरूषोतम हैं ।आचार्य रविकांत शास्त्री महाराज के सुमधुर वाणी से रामजन्मोत्सव के साथ श्री कृष्ण जन्मोत्सव की दिव्य कथा सुनकर सभी भक्तगण मंत्रमुग्ध होकर आनंदित हुए ।कथा का मुख्य आकर्षण प्रहलाद चरित्र, हिरण्यकश्यप वध,अजामिल चरित्र, प्रभु श्रीराम जन्म एवं कथा का केंद्र बिंदु भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव रहा ।इस मौके पर पूर्व बीएसए, पूर्व प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या है।

'सुल्तानपुर को मिला अपना सबसे बड़ा ज्वेलरी डेस्टिनेशन, ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स का हुआ उद्घाटन'

'सुल्तानपुर। सुल्तानपुर शहर के सबसे बड़े और आधुनिक ज्वेलरी डेस्टिनेशन कृ ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के 13वें शो–रूम का भव्य उद्घाटन आज बस स्टैंड के निकट, सिविल लाइन, सुल्तानपुर में कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्राहकों ने उपस्थित होकर ऐश्प्रा के शानदार ज्वेलरी कलेक्शन का अनुभव किया। इस शानदार शुरुआत और उत्कृष्ट अनुभव के गवाह शहर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं ग्राहक बने। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों और ग्राहकों ने गोल्ड, एंटीक, टर्किश, ब्राइडल, टेम्पल ज्वेलरी, डायमंड कलेक्शन, सिल्वर आर्टिकल्स और पायल्स के विस्तृत संग्रह की सराहना की। पारंपरिक डिजाइन और आधुनिक ट्रेंड्स का यह संगम सुल्तानपुर में ज्वेलरी खरीदारी का एक नया मानक स्थापित कर रहा है। उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों को गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 50ः तक की छूट प्रदान की गई, जिससे समारोह में उत्साह और बढ़ गया। कार्यक्रम में ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के डायरेक्टर्स श्री अनूप सराफ, वैभव सराफ, सौमित्र सराफ, ऐश्प्रा सुल्तानपुर के फ्रैंचाइजी ओनर्स श्री भगवती प्रसाद अग्रवाल, राजेश भालोटिया, पुनीत भालोटिया, रितेश भालोटिया, माधव भालोटिया, राघव भालोटिया, रवि अग्रवाल, अरुण अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्य एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में 'कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी'' ने कहा, "यह अवसर केवल एक प्रतिष्ठान के शुभारंभ का नहीं है, बल्कि हमारे प्रदेश की प्रगति, उद्यमिता और आर्थिक समृद्धि की एक नई मिसाल भी है। हमें विश्वास है कि ऐश्प्रा के माध्यम से सुल्तानपुर के ग्राहकों को उत्कृष्ट डिजाइन, बेहतरीन गुणवत्ता और पूर्ण पारदर्शिता का अनुभव प्राप्त होगा।" 'ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के डायरेक्टर्स श्री अतुल सराफ और श्री अनूप सराफ' ने कहा, "ऐश्प्रा का हर नया शो–रूम हमारे ग्राहकों के साथ विश्वास और रिश्ते को और मजबूत करता है। सुल्तानपुर में हमें जिस तरह का उत्साह और स्नेह मिला, वह हमारे लिए गर्व की बात है। यह 13वां शो–रूम परंपरा और आधुनिकता के संगम का प्रतीक बनेगा। 'ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स सुल्तानपुर के फ्रैंचाइजी ओनर्स श्री भगवती प्रसाद अग्रवाल और श्री राजेश भालोटिया' ने कहा, "सुल्तानपुर में ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स का आगमन शहर के ग्राहकों के लिए एक नया अनुभव लेकर आया है।

'मेदांता लखनऊकरेगा "हिमैटोकॉन 2025" में शैक्षणिक विचार-विमर्श का नेतृत्व'

'लखनऊ।' मेदांता लखनऊ के हेमेटोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग द्वारा किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के सहयोग से हिमैटोकॉन 2025 इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आई.एस.एच.बी.टी) का वार्षिक सम्मेलन 6 से 9 नवम्बर 2025 तक लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। चार दिवसीय यह शैक्षणिक आयोजन हेमेटोलॉजी विशेषज्ञों के लिए एक ऐतिहासिक मंच साबित होगा, जिसमें देश–विदेश से 100 से अधिक प्रख्यात विशेषज्ञ भाग लेंगे। सम्मेलन में हेमेटोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन और सेलुलर थेरेपी के क्षेत्र में हालिया प्रगति और भविष्य की दिशाओं पर विस्तृत विचार–विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में प्लेनरी सेशन्स, पैनल चर्चाएं, शोधपत्र प्रस्तुतियाँ और इंटरएक्टिव वर्कशॉप्स शामिल होंगी, जो चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए एक समग्र ज्ञान–विकास मंच प्रदान करेंगी। हिमैटोकॉन 2025 के अंतर्गत, मेदांता लखनऊ के हेमेटोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग द्वारा दो विशेष प्री–कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप्स आयोजित की जाएंगी एक कार–टी सेल थेरेपी पर तथा दूसरी स्टेम सेल एन्यूमरेशन एवं क्रायोप्रिजर्वेशन पर। इन वर्कशॉप्स का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना और उभरती हुई चिकित्सा तकनीकों की गहन समझ विकसित करना है, जो कैंसर और रक्त विकारों के आधुनिक उपचार की दिशा को नया रूप दे रही हैं।

कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, 'डॉ. अंशुल गुप्ता, डायरेक्टर हेमेटोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग, मेदांता लखनऊ' ने कहारू "हिमैटोकॉन 2025 विज्ञान, कौशल और सहयोग का अद्वितीय संगम है। जैसे–जैसे हम पर्सनलाइज्ड और सेलुलर थेरेपी के युग की ओर बढ़ रहे हैं, यह मंच शोध और वास्तविक उपचार के बीच की दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मेदांता लखनऊ को इस बात पर गर्व है कि हम उत्तर प्रदेश के उन कुछ केन्द्रों में से एक हैं जो सफलतापूर्वक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट और कार–टी सेल थेरेपी दोनों कर रहे हैं जिससे जटिल रक्त रोगों से जूझ रहे मरीजों को नई आशा मिल रही है।" नवाचार, शिक्षा और नैदानिक उत्कृष्टता पर केंद्रित यह सम्मेलन न केवल भारत में हेमेटोलॉजी के भविष्य की दिशा तय करेगा, बल्कि लखनऊ को उन्नत चिकित्सा अनुसंधान के उभरते केंद्र के रूप में और सुदृढ़ करेगा।

संक्षिप्त खबरें

दीवानी न्यायालय परिसर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग अधिवक्ताओं के चौंबर क्षतिग्रस्त

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । दीवानी न्यायालय परिसर में गुरुवार की देर रात में एसीजीएम प्रथम कार्यालय के सामने आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी इस आग से कई वकीलों के चौंबर पूरी तरह जल गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और बार के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। आग से जिन वकीलों के चौंबर क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनमें राम समुझ यादव, जयप्रकाश सिंह, ओमप्रकाश सिंह, मयाशंकर यादव, अजीत कुमार सिंह और रणंजय सिंह शामिल हैं। इनके चौंबरों को भारी नुकसान पहुंचा है। आग लगने की जानकारी मिलते ही बार के कर्मचारी मोहम्मद शकील, चौकीदार अहमद, मंत्री रण बहादुर यादव एडवोकेट और एएसजे–2 सहित कई दर्जन कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति करेगी भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती शोभायात्रा का स्वागत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

श्री राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती शोभायात्रा जो 9 नवम्बर रविवार को भंडारी स्टेशन से निकलकर मंगलम लान मियापुर जाएगी। आयोजक जौनपुर जायसवाल समाज सेवा समिति हैं। 9 नवम्बर रविवार दोपहर 3 बजे मियापुर शेषपुर चौराहे पर श्री राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु जी का पूजन शोभायात्रा का स्वागत अभिनंदन श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर द्वारा किया जाएगा । उक्त आशय की जानकारी श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति के संयोजक सरस चन्द श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता, अध्यक्ष मनोज अग्रहरी वरिष्ठ व्यापारी नेता, कायस्थ महासभा जौनपुर जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने देते हुए सभी से आग्रह किया है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,07नवंबर । खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकला गांव के अनुसूचित बस्ती में गुरुवार को एक विवाहिता का शव बंद कमरे में रस्सी के फंदे से लटकता मिला । ग्रामीणों की मदद से दरवाजे को तोड़कर शव को बाहर निकलवाया गया सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया ।घटना की सूचना मिलने पर लखनऊ में कैब चला रहे पति घर के लिए रवाना हो गया है । उक्त गांव के माहेश्वर प्रसाद रोजी रोटी के सिलसिले में लखनऊ में कैब चलाता है । गुरुवार को उसकी पत्नी काजल (21)ने अपने कमरें को बंद कर फंसी लगा ली । पड़ोसियों की सूचना पर विवाहिता के परिजन और पुलिस की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया । उसे कोई संतान नही था । वह यहाँ अकेले रहती थी । एक साल पहले काजल की शादी हुई थी । वह आजमगढ़ जनपद के सरायमीर थाना क्षेत्र के कौरागहनी गांव की रहने वाली थी दीवाली पर महेश्वर आया था। इस मामले में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि विवाहिता ने फाँसी लगाकर सुसाइड किया है ।शव को परीक्षण के लिए भेजा गया है किसी तरफ से कोई तहरीर नही मिली है ।

डीसीएम श्रीराम लिमिटेड, शुगर यूनिट,लोनी द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) डीसीएम श्रीराम लिमिटेड समूह की चीनी इकाई लोनी द्वारा, डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन के खुशहाली सेहत परियोजना के अंतर्गत, क्षेत्रीय नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन सीतापुर नेत्र अस्पताल के सौजन्य से लोनी मील के प्रांगण मे किया गया। शिविर का गहन निरीक्षण इकाई प्रमुख राजा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। तत्पश्चात शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती संध्या यादव (तहसीलदार शाहाबाद)लोनीदृ हरदोई एवं अनिल सिंह गन्ना प्रमुख, हरदोई चीनी मिल, लोनी के विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन विभाग) श्रीमती सुनीता पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति में संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। अपने संबोधन में तहसीलदार संध्या यादव ने चीनी मिल द्वारा आयोजित इस प्रकार के सामाजिक सरोकार वाले शिविर की सराहना की। उन्होंने नेत्र स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पहल से क्षेत्रीय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी तथा समय पर आंखों से संबंधित बीमारियों का निदान एवं उपचार संभव हो सकेगा। शिविर में कुल 324 नागरिकों ने नेत्र परीक्षण हेतु पंजीकरण कराया, जिनमें से 248 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है। चयनित मरीजों को सीतापुर नेत्र अस्पताल भेजने की व्यवस्था की गई, जबकि अन्य मरीजों को आवश्यकतानुसार चश्मे एवं दवाओं का वितरण स्थल पर ही किया गया। कार्यक्रम में डॉ गौरव गंगवार, शिवेश सिंह,मोहन सिंह सहित चीनी मिल के अन्य अधिकारी एवं क्षेत्रीय कृषकगण उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।